

पहला अनुभव

दोस्तों ये बात तब की है जब मैं कालेज में था। उम्र इक्कीस वर्ष थी। पूना के एक कालेज में पढता था। माफ़ी चाहता हूँ दोस्तों मैंने अपना नाम तो बताया ही नहीं। मेरा नाम रमन है।

हाँ तो दोस्तों यह एक सच्ची घटना है। इसे झूठ मत समझियेगा। मैं पूना की एक कालोनी में अपने माँ बाप के साथ रहता था। मेरी दोस्ती एक लडकी से हो गयी और जैसा हमेशा होता है अपने पहले प्यार को लोग अपना सब कुछ मान लेते हैं और अपने प्यार के लिये अपना सब कुछ लुटाने को तैयार रहते हैं। मैं भी कुछ ऐसी ही भावना में था। दिन रात उसी के सपने देखता था। वह बहुत ज्यादा सुन्दर तो नहीं थी फिर भी वह अच्छी दिखती थी। वह हमेशा टाईट कपडे पहना करती थी जिसमें बहुत ही सेक्सी दिखती थी। कालोनी के बहुत सारे लडके उसे देखकर आहें भरा करते थे और उससे दोस्ती के लिये लालायित रहते थे। मैं उन सब में ज्यादा भग्यशाली था। हमारा प्यार बाग बगीचों सिनेमाघरों लोगो से छुपते छुपाते चलता रहा। एक दिन उसने मुझे फोन पर बताया उसके मम्मी पापा किसी शादी के लिये मद्रास जा रहे थे और वे वहाँ एक हफ्ते के लिये रहने वाले थे। हम लोगो को अब बिना किसी परेशानी के घूमने फिरने का मौका मिल गया। उसके मम्मी पापा बाहर चले गये। हम लोगो का प्लान पहले से फिक्स था। हम दोनो दूसरे दिन एक पिकचर देखने गये। पिकचर में कुछ सेक्सी सीन थे। मैं बहुत ही मस्त मुड में था। बार बार वह सीन आँखों के सामने आ जाता था। पिकचर के बाद हम दोनो उसके घर पर वापस आ गये।

घर पर कोई भी नहीं था जैसा कि हमें पहले से मालुम था। रोशनी मेरी गर्ल फ्रेंड थोडा थकी हुयी थी। उसने मुझसे कहा प्लीज तुम थोडी देर बैठी मैं नहा कर आती हूँ। मैं बैठ कर टी वी देखने लगा। मैंने स्टार

मूवी ऑन किया। उस पर बहुत अच्छी मूवी चल रही थी। बहुत ही गरमा गरम द्रश्य चल रहा था। दो युवा जोड़े बिल्कुल निर्वस्त्र एक दूसरे में खोये हुये थे और मुझे इस बात की खबर भी नहीं हुयी कि रोशनी मेरे पीछे आकर खडी थी। वह सिर्फ एक टॉवेल में लिपटी थी। काले काले बाल जो कि भीगे हुये थे उसके बदन पर चिपक हुये थे। टॉवेल पूरी तरह से उसके बदन को ढकने में असमर्थ था और उसका अधखुला जिस्म मुझे मदहोश किये जा रहा था। अभी अभी टीवी पर चल रहे सीन मेरी आँखों के सामने घूमने लगे।

मैं अपने आप को रोक नहीं पाया आगे बढ़ा और उसके हाथों को अपने हाथों में ले कर चूम लिया । मैंने उसे बाँहों में भर लिया उसके बदन से किसी खुशबूदार साबुन की खुशबू आ रही थी। उसके होठों पर मैंने अपने होठ रख दिये उसके होठ सुर्ख लाल थे। साँसे गरम थी। उसके हाथ मेरी पीठ पर जकड़े हुये थे। वह अपने पंजों के बल उठकर मुझमें समा जाने के लिये बेकरार थी। मेरे हाथ उसकी पीठ पर, मेरे होठ उसके होठों को पूरी बेदर्दी से मसल रहे थे । मैं धीरे धीरे उसके टॉपेल को निकालने का प्रयास कर रहा था। मैंने उसको सोफे पर बिठाया और किरस करने लगा। मेरी जीभ उसके मुँह में अन्दर तक समा रही थी मेरे हाथ टॉपेल के ऊपर से उसके बदन को मसल रहे थे। मैंने उसके टॉपेल को खोल दिया।

अचानक एकदम होश उड़ा देने वाला दृश्य था। कृदरत ने उसे गजब का दृश्य दिया था। उसकी दो बड़ी बड़ी सन्तरे जैसी चूचियाँ जो कि उत्तेजना में काफी बड़े हो गये थे और उसके निपपल बाहर को निकले हुये मुझे आमन्त्रित कर रहे थे। मैंने अपने दोनों हाथों से उन्हें सहलाना शुरू कर दिया। उसने अपना टॉपेल अपने बदन से दूर हटाया। इसी बीच मेरा हाथ उसके दोनों जाँघों के बीच तक पहुँच गया। जब मेरा हाथ उसके जाँघों के बीच पहुँचा उसके मुँह से एक सिसकारी निकल गयी। तभी मैंने महसूस किया उसका हाथ मेरी पैंट की जिप को खोल रहा था। उसने अपना हाथ मेरी

पैंट में डाला और मेरे शरीर के सबसे उत्तेजित भाग को पकड़ लिया। मेरा शिशन अत्यधिक गरम हो चुका था। उसकी गरमी मुझसे अब बरदाश्त नहीं हो रही थी। मैंने उसके एक निपपल को अपने मुँह में ले लिया और दूसरे को अपनी अंगुलियों से सहलाने लगा। उसका हाथ मेरे शरीर के अंग से बुरी तरह खेल रहे थे। मुझे अब दर्द सा महसूस होने लगा था।

मैंने उसे अपनी बाँहों में उठाया और बगल में पड़े बेड पर लिटाया।

मैं उसके पैरों के बीच पहुँच कर उसकी जाँघों को फैलाया और एक झटके के साथ मैं उसके अन्दर समा गया। उसने मुझे कसकर पकड़ लिया फिर मैंने धीरे धीरे अपने शिशन को अन्दर बाहर करना शुरू कर दिया। धीरे धीरे मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दी। उसने अपने पैरों को हवा में फैला दिया वह मुझे अपने अन्दर समा लेना चाहती थी। मैंने अपनी स्पीड बढ़ा दिया। पूरी स्पीड के साथ मैं अन्दर बाहर होने लगा। थोड़ी देर में उसके अन्दर ढेर सारा गीलापन महसूस किया। उसने मुझे कसकर पकड़ लिया। पूरे कमरे में हमारे अंगों के टकराने और सिसकारियों की आवाजें गूँज रही थी। मैं पूरी स्पीड के साथ

धक्के मार रहा था और थोड़ी देर में मेरे अन्दर के तूफान का उबाल उसके अंगों में समा गया। मैं उसके ऊपर ही निढाल हो गया। हम दोनों पसीने से भीगे हुये थे और बुरी तरह से हॉफ रहे थे। थोड़ी देर तक हम दोनों एक दूसरे की बाँहों में पडे एक दूसरे को चूमते रहे। फिर हम दोनों बाथरूम में नहाने के लिये गये इसी दौरान हम एक बार फिर मूड में थे।